Antarvasna.com
अन्तर्वासना

अन्नू जैन ने सील तुड़वाई

“मैं भी समझ चुकी थी कि आज मेरी कौमार्य का आख़िरी दिन है, सो जो होना है होने दो, अगर आज मुझे चुदना है तो क्यों ना इस पल का मज़ा लूँ.. बजाए बेकार का विरोध करके उसकी भी मुश्किल बढ़ाऊँ।
”
...

Story By: (varindersingh)
Posted: Friday, September 5th, 2014
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: अन्नू जैन ने सील तुड़वाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अन्नू जैन ने सील तुड़वाई

दोस्तो, आज पेश है आपके लिए मेरी एक दोस्त की कहानी जो मुझे उसने बताई थी, मैं उसे एक कहानी के रूप में आपके सामने पेश कर रहा हूँ। कहानी के सभी पात्र और स्थान के नाम उनकी निजता को गुप्त रखने के लिए बदल दिए गए हैं।

मेरा नाम अन्नू जैन है और मैं उत्तर प्रदेश में रहती हूँ, कहाँ रहती हूँ यह जान कर आपने क्या करना है, आप सिर्फ़ कहानी पढ़िए, अपने हाथ से करिए और बात खत्म!

तो बात तब की है जब मैं 10वीं क्लास में थी। हमारी क्लास में ही संयम पढ़ता था, मेरी उससे अच्छी दोस्ती थी।

कभी-कभार वो बदतमीज़ी करता और दोस्ती से आगे बढ़ जाता था, पर मैंने भी कभी उसके गंदे मज़ाक़ को सीरियसली नहीं लिया और इग्नोर कर देती थी।

इसी तरह से हमारा दोस्ताना चलता रहा।
बारहवीं तक आते-आते मेरी जवानी भी बहुत उभर कर सामने आई और संयम भी मर्दानगी से भरने लगा, पर अब वो मुझसे बदतमीज़ी नहीं करता था, हम दोनों एक-दूसरे से हर बात खुल कर करते थे, हम दोनों की बातचीत में कोई परदा नहीं था, पर हम कभी एक-दूसरे के सामने नंगे भी नहीं हुए थे।

हाँ.. चूमा-चाटी को कभी मैंने मना नहीं किया, दसवीं क्लास में उसने मुझे पहली बार चुम्बन किया था और तब से जब भी मौक़ा मिलता है, वो मुझे चुम्मी कर लेता, या जब मेरा दिल करता मैं उसे चुम्मी कर लेती थी।

एक-दूसरे को ज़ोर से बाँहों में भरना, जफ्फियाँ डालना आदि ये सब नॉर्मल था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जब हम सामने से गले मिलते तो उसके सख़्त मर्दाना सीने को मैं अपने नर्म-नर्म मम्मों पर महसूस करती और सोचती कि काश मैं इसकी बाँहों में हमेशा ऐसे ही क़ैद रहूँ।
जब वो पीछे से मुझे बाँहों में भरता तो उसका लिंग मैं अपने चूतड़ों के बीच में महसूस करती।

आते-जाते पीठ पर मुक़्क़ा मारना या एक-दूजे के कूल्हों पर चपत लगाना तो आम था। वो अक्सर शरारत से मेरी स्कर्ट के अन्दर झाँकने की कोशिश करता था।
वैसे भी हमारे स्कूल में स्कर्ट घुटनों के ऊपर होती थी, तो गोरी-गोरी जांघें देख कर अक्सर लड़कों की पैन्ट टाइट हो जाती थी, मुझे संयम से कभी शर्म नहीं आई थी।

फिर जवानी के बढ़ते-बढ़ते हमारी दोस्ती प्यार में बदलने लगी और एक दिन संयम ने मुझसे अपने प्यार का इज़हार किया, जिसे मैंने भी मान लिया।

सारी क्लास को पता चल गया कि मैं संयम की आफीशियल गर्ल-फ्रेंड हूँ।

गर्ल-फ्रेंड होने की वजह से अब हम अक्सर साथ-साथ घूमने भी जाते थे, सिनेमा में, पार्क में, रेस्टोरेंट में हम अक्सर मिलते और इन जगहों पर मौक़ा पाकर संयम मेरे मम्मों को खूब दबाता, होंठ चूसता, पैन्टी में हाथ डाल कर मेरी योनि का दाना मसलता।

उसका हाथ लगते ही मैं तड़प उठती। हम दोनों सेक्स करना चाहते थे, पर कोई ऐसी सुरक्षित जगह नहीं थी जहाँ हम कर पाते।

उधर +2 की वार्षिक परीक्षा आ गई।

जिस दिन हमारा गणित का पेपर था, संयम ने मुझे कहा- अन्नू, तू ऐसा कर कि घर पर बोल देना, मैथ्स की स्पेशल क्लास है, पेपर से पहले सुबह को हो स्कूल जाना है। हम मेरे घर पर थोड़ी प्रैक्टिस कर लेंगे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने कहा- तेरे घर पर क्यों ? मेरे घर आ जा, वहीं पढ़ लेंगे..!
‘अरे नहीं.. मेरे घर आना !’
बस यह कह कर चला गया।

क्योंकि हमारे घर भी ज्यादा दूर नहीं थे, सो मैं घर पर बोल आई कि सहेली के घर पढ़ने जा रही हूँ, वहीं से खाना खा कर स्कूल जाऊँगी।

तो मम्मी ने भेज दिया।

मैंने रुटीन की तरह तैयार हो कर, स्कूल यूनिफॉर्म में ही घर से निकली और सीधी संयम के घर जा पहुँची। संयम घर पर ही मिला, पर उसके घर में कोई नहीं था।

मैंने पूछा तो बोला सब एक शादी में गए हैं, शाम तक वापिस आएँगे। हम दोनों अन्दर जा कर संयम के रूम में बैठ गए। संयम गया और चाय बना लाया।
हमने चाय पी।

मैं बेड पर बैठी थी और संयम मेरे सामने चेयर पर बैठा था।
मेरी स्कर्ट मेरे घुटनों से 2-3 इंच ऊपर थी। जो अक्सर ऐसे ही रहती थी, पर आज मुझे संयम के सामने ऐसे बैठने में शर्म आ रही थी।
मैं बार-बार अपनी स्कर्ट नीचे खींच रही थी कि मेरी टाँगें ना दिखें।

यह देख कर संयम बोला- क्यों साली को नीचे खींच रही है, ज्यादा शर्मीली बन रही है।

‘अरे नहीं, वो बात नहीं यार… बस वैसे ही मुझे लगता है कि यह स्कर्ट कुछ ज्यादा ही छोटी है।’

‘ये छोटी है, मैं तो चाहता हूँ कि तुम इतनी ऊँची स्कर्ट पहनो…!’ ये कह कर संयम ने मेरी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

स्कर्ट का पल्ला उठाया और मेरी जांघों के बिल्कुल ऊपर ले जा कर रख दिया।

हाय राम… मेरी तो पूरी जांघें ही उसके सामने नंगी हो गईं और मैं तो शर्मा गई..!

मैंने झट से अपनी स्कर्ट ठीक की और खड़ी हो कर बोली- चल बुक्स निकाल और पढ़ाई शुरू कर… शरारतें मत कर..!

कहने को तो मैंने कह दिया, पर मेरा दिल इतने ज़ोर से धड़का कि मुझे पसीना आ गया। मैं डर गई कि अकेले पा कर क्या संयम मेरा फायदा उठाना चाहता है..!

मेरे खड़े होते ही संयम भी उठ खड़ा हुआ और उसने मुझे बेड पर धक्का दे दिया। मैं बेड पे गिर पड़ी और मेरी स्कर्ट उठ कर मेरे पेट पर आ गई।

अब तो मेरी चड्डी भी साफ़ दिख रही थी।

इससे पहले कि मैं संभलती, संयम मेरे ऊपर आ गिरा, मेरे दोनों हाथ पकड़ कर ऊपर उठा दिए और मुझे किस करने लगा।

बेशक़ मैंने किस में उसका साथ दिया, पर मैं अन्दर से डर रही थी। थोड़ी देर मेरे होंठ चूसने के बाद उसने मेरे हाथ छोड़ दिए और अपने दोनों हाथों से मेरे मम्मों को पकड़ लिया।

वो मेरे मम्मों को दबाने लगा और मैंने उसे अपनी बाँहों में भर लिया।

हम फिर से किस करने लगे। वो मेरा ऊपर वाला होंठ चूस रहा था और मैं उसका नीचे वाला होंठ चूस रही थी।
साथ ही साथ हम एक-दूसरे के होंठों पर अपनी-अपनी जीभ भी फेर रहे थे, कभी एक-दूसरे की जीभ भी चूस लेते थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर संयम ने मेरी टाई ढीली की और निकाल दी, उसके बाद मेरी शर्ट के बटन खोलने शुरू किए। मैंने झट से उसके हाथ पकड़ लिए।

‘नहीं संयम, आज नहीं फिर कभी..!’
‘क्यों, आज क्यों नहीं ?’
‘अरे आज एग्जाम है, प्लीज़.. फिर कभी सही..!’
‘नहीं.. आज ही मौक़ा है, आज ही करेंगे और अभी करेंगे…!’

मैं कुछ बोलती इस से पहले ही संयम ने फिर मेरे होंठ अपने होंठों में ले लिए। कमीज़ के सारे बटन खुल चुके थे।
मैंने उस दिन अंडर-शर्ट भी नहीं पहनी थी, कमीज़ के नीचे सिर्फ़ ब्रा था।

सो संयम ने ब्रा में ही पकड़ कर मेरे मम्मों को दबाना शुरू कर दिया।
मैं भी समझ चुकी थी कि आज मेरी कौमार्य का आख़िरी दिन है, सो जो होना है होने दो, अगर आज मुझे चुदना है तो क्यों ना इस पल का मज़ा लूँ.. बजाए बेकार का विरोध करके उसकी भी मुश्किल बढ़ाऊँ।

मैंने भी अपनी टाँगों को संयम की कमर की गिर्द कस दिया और अपनी पूरी जीभ बाहर निकाल कर उसके मुँह में दे डाली। संयम ने भी मेरी जीभ को अपने मुँह में लेकर चूसना शुरू कर दिया।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मुझे लगा जैसे मेरी योनि में से कुछ गीला-गीला सा निकल कर मेरी पैन्टी को भिगो रहा है और ऊपर से संयम अपना तना हुआ लिंग मेरे पेट और पेडू पर रगड़ रहा था, जो मुझे बेक़ाबू कर रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरा दिल चाह रहा था कि उसे कहूँ कि इसे बाहर निकाल कर दिखा, पर एक लड़की होने के कारण चुप ही रही। जब उसने देख लिया कि मैं उसे पूरा सहयोग दे रही हूँ तो उसने मुझे छोड़ा और उठ कर खड़ा हो गया।

मैं भी खड़ी हो गई।

मेरी शर्ट सामने से पूरी खुली थी और ब्रा में से मेरे आधे से ज्यादा मम्मे बाहर झाँक रहे थे। संयम ने मेरी बेल्ट खोली और फिर स्कर्ट उतार दी, मेरी पैन्टी के ऊपर से ही मेरी योनि को किस किया, चाटा.. सहलाया और फिर मेरी शर्ट भी उतार दी।

अब मैं सिर्फ़ ब्रा और पैन्टी में थी।

मैंने कहा- अच्छा जी.. मेरे कपड़े उतार दिए और अपने पहने हो.. अपने भी उतारो।

'अरे जानेमन, तू उतार दे.. ले शर्ट और बनियान मैं उतार देता हूँ..!' ये कह कर उसने अपनी टाई, शर्ट और बनियान भी उतार दी।

मैंने अपने जूते और ज़ुराबें भी उतार दीं और नीचे बैठ कर उसकी बेल्ट ढीली की और पैन्ट की हुक और ज़िप खोली।
पैन्ट ढीली हो कर नीचे गिर गई। उसकी चड्डी में उसका तना हुआ लिंग साफ़ दिख रहा था।
उसने एक झटके से अपनी चड्डी नीचे की, तो खटाक से उसका लिंग बाहर निकला और मेरी नाक पे लगा।

हम दोनों हँस पड़े।

संयम ने मेरा हाथ पकड़ कर अपना लिंग मेरे हाथ में पकड़ाया और बोला- पकड़ इसे..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कैसा लगा..!

जैसे कोई लकड़ी के डंडे पे रबर चढ़ा दी हो। मैं 1-2 मिनट उससे खेलती रही तो संयम बोला- इसे मुँह में लेकर चूस..!

'नहीं... मुझे अच्छा नहीं लगता..!'
'अरे ट्राइ तो कर..!'
'नहीं..!'

पर उसने ज़बरदस्ती मेरे मुँह पर लगा दिया। मैंने भी ट्राइ करने के लिए मुँह खोला और उसका लिंग मुँह में लिया। बड़ा ही बकबका, गंदा सा स्वाद और अजीब सी फीलिंग थी।

मैंने सिर्फ़ मुँह में लिया तो संयम बोला- सिर्फ़ मुँह में मत रख... इसे चूस.. जैसे बच्चा अपनी माँ का दुद्धू चूसता है.. और मुँह को आगे-पीछे चलाओ..!

मैंने वैसा ही किया, पर मुझे ये सब अच्छा नहीं लग रहा था। खैर 2-3 मिनट चूसने के बाद उसे मुँह से निकाल दिया। संयम ने मुझे खड़ा किया और मेरी ब्रा उतार दी और पैन्टी भी उतार दी।

अब हम दोनों बिल्कुल नंगे थे।

संयम ने मेरे मम्मों को हाथों में पकड़ लिया और निप्पल मुँह में लेकर चूसने लगा। उसने मुझे गोद में उठाया और बेड पर लिटा दिया। फिर मेरे ऊपर लेट गया और मेरे मम्मों को चूसने लगा।

मेरी योनि पूरी तरह से पानी से भीग चुकी थी। फिर संयम उठा और रसोई में जाकर मक्खन ले आया, लाकर उसने मेरे मम्मों पर लगाया और चाटने लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी तो हालत ही खराब हो रही थी। मुझे लग रहा था कि जैसे संयम मुझे तड़पा रहा है कि मैं खुद ही उसे सेक्स के लिए कह दूँ। मैं चादर को मुठ्ठियों में भींच रही, एड़ियाँ रगड़ रही थी, कमर उचका रही थी।

'एक और मज़ा दूँ..!' ये कह कर संयम ने काफ़ी सारा बटर मेरी योनि पर लगा दिया और मुँह लगा कर चाटने लगा।

ये तो बहुत ही नजारेदार, मज़ेदार और ना-काबिले बर्दाश्त चीज़ थी।
उसने अपना पूरा मुँह मेरी टाँगों के बीच में घुसा दिया और अपनी लंबी जीभ मेरी योनि के दाने और छेद पर फिरा कर चाटने लगा।
वो सारा बटर चाट गया और मेरी योनि से रिसता पानी भी चाट गया।

मैंने संयम को अपने ऊपर खींच लिया और अपने होंठ उसके होंठों पर रख दिए। मेरी टाँगें पूरी तरह से खुली हुई थीं। संयम मेरी टाँगों के बीच में फिट हो गया। अब उसका लिंग बिल्कुल मेरी योनि के छेद पर टिका हुआ था।

यह मेरी जिन्दगी का पहला सेक्स था, सो संयम बोला- आर यू रेडी फॉर टीज.. जान..!

मैंने 'हाँ' में सर हिलाया, तो संयम ने अपने लिंग और मेरी योनि पर और बटर लगाया तो उसका लिंग बिल्कुल चिकना हो चुका था।

उसके कहने पर मैंने उसका लिंग पकड़ कर अपनी योनि के छेद पर सैट किया।

संयम ने मेरे होंठ अपने होंठों में लेकर अपने लिंग को ज़ोर लगा कर मेरी योनि में घुसेड़ा।

मेरी दर्द के मारे चीख निकल गई, पर मेरे होंठ संयम के होंठों में होने के कारण मेरी चीख संयम के मुँह में ही दब गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी आँखों से आँसू निकल गए, पर संयम ने मेरी हालत पर कोई तरस नहीं किया। थोड़ा सा पीछे हुआ और फिर ज़ोर लगा कर अपना लिंग मेरे अन्दर घुसेड़ा।

उफ़फ्फ़, कितना तकलीफ़देह था…!

पर संयम अपनी ही धुन में लगा रहा और अपना लिंग अन्दर-बाहर करता रहा। सिर्फ़ 5-6 झटकों में ही उसने अपना पूरा लिंग मेरी योनि में उतार दिया।

मैं दर्द के मारे बुरी तरह से रो रही थी।

'प्लीज़ जान… प्लीज़.. मैं मर जाऊँगी.. प्लीज़ बाहर निकाल लो… बहुत बड़ा है.. प्लीज़ जान.. कल कर लेंगे… प्लीज़ निकाल लो..!'

पर वो अपना लिंग अन्दर डालता रहा, जब मैं दर्द से फिर चीखी तो उसने मेरी ही टाई से मेरा मुँह बाँध दिया।

मेरे बार-बार रिक्वेस्ट करने पर उसने अपना लिंग बाहर निकाला।

मैंने देखा उसका लिंग खून से भीगा हुआ था। मैं अपनी वर्जिनिटी खो चुकी थी, मेरी योनि से काफ़ी खून निकला था जिस कारण, बेड पर भी खून के दाग लग गए थे।

मैं अपनी योनि को दोनों हाथों से पकड़ कर साइड में लेट गई और रोती रही। संयम मुझे चुप करता रहा और मुझे पानी पिलाया।

जब मैं कुछ ठीक हुई तो संयम फिर मुझे प्यार करने लगा।

मैं नहीं चाहती थी, पर संयम ने प्यार से मुझे समझाया- देखो जान.. फर्स्ट-टाइम सबको पेन होता है, इट्स नॉर्मल, बट हमें इस पेन को पार करके ही आगे जाना है और ज़िंदगी के

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मज़े लेने हैं, सो दर्द को भूल जाओ और ट्राइ टू एंजाय..!’

‘मुझे इतना दर्द हो रहा है और तुम्हें अपने मज़े की पड़ी है, साला.. कुत्ता, इतना दर्द तुम्हें होता तो पता चलता.. नहीं.. मुझे नहीं करना…!’

पर संयम ने बड़े संयम से मुझे समझाया और आख़िर मैंने उसकी बात मान ली। संयम ने फिर मेरी योनि और अपने लिंग पर बटर लगाया और दोबारा, अपने लिंग मेरी योनि में घुसा दिया।

इस बार पहले जितना दर्द तो नहीं हुआ, पर जहाँ से मेरी स्किन फटी थी जब वहाँ पर लिंग की रगड़ लगती थी तो दर्द होता था।

बेशक़ मुझे दर्द हो रहा था, पर संयम ने बड़े प्यार से मेरे साथ चुदाई करता रहा। पहले धीरे-धीरे, फिर थोड़ा तेज़ फिर और तेज़।

करीब 12-13 मिनट मेरे साथ सेक्स करता रहा, मेरे मम्मों को चूसता रहा, मेरे होंठ, मेरी जीभ चूसता रहा। आख़िर में तो वो मेरा सारा दर्द भूल कर पूरे ज़ोर से स्ट्रोक्स मारने लगा।

ये मेरे लिए बहुत असहनीय था, वो अपना पूरा लिंग मेरे अन्दर डाल और बाहर निकाल रहा था।

हम दोनों को पसीना आ रहा था, दिल की धड़कने तेज़ हो रही थीं। साँस तेज़ हो गई थीं।

फिर अचानक उसने अपना लिंग मेरी योनि से निकाला और आगे आ कर मेरी छाती पर रख दिया, वो अपने हाथ से अपनी मुठ मारने लगा।

तभी पिचकारी की तरह से उसके लिंग से गरम गाड़ा सफेद सा लिक्विड निकाला और मेरे मम्मों पर गिरा दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सारे मम्मों पर सफ़ेद छींटे यहाँ-वहाँ गिरे पड़े थे।

संयम मेरे ऊपर ही गिर पड़ा।

कुछ देर आराम करने के बाद वो उठा, मैं भी उठी, हम दोनों बाथरूम में गए, एक साथ नहाए।

वापिस आकर अपनी अपनी यूनिफॉर्म पहनी और तैयार हो कर, स्कूल चले गए।

दर्द की वजह से एग्जाम भी अच्छा नहीं हुआ। एग्जाम के बाद घर आई तो सीधे अपने बाथरूम में गई, वहाँ कपड़े बदलते हुए, पैन्टी उतार कर देखा तो योनि पूरी सूजी हुई थी।

मम्मी ने पूछा- क्या हुआ अन्नू, तू चल कैसे रही है ?

मैंने झूठ ही कह दिया, मम्मी स्कूल में सीड़ियों पर गिर गई थी।
माँ ने मुझे घूर कर देखा, जैसे डॉक्टर कोई एग्ज़ॅमिनेशन कर रहा हो।
मुझे उनका इस तरह से घूरना बड़ा अजीब लगा, पर वो कुछ नहीं बोलीं।

मैंने चाय पी और अपने कमरे में जा कर लेट गई।
अपनी पैन्टी पर हाथ लगाया और मन में बोली- साली आज तू भी चुद गई, मुबारक हो..!
alberto62lopez@yahoo.in

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

जिस्म और दिल का रिश्ता है भाभी और मेरे बीच

दोस्तो, नमस्कार, मेरा नाम मयंक है। मेरी उम्र 30 वर्ष है। मैं जबलपुर के पास एक गाँव का रहने वाला हूँ। बात उन दिनों की है, जब मैं 12 वीं कक्षा में पढ़ा करता था। हमारे परिवार की ही एक […]
Full Story >>>

मेरी मम्मी की जिस्म की चाह-3

अब तक अन्तर्वासना पर मेरी सेक्स कहानी में आपने पढ़ा.. मेरी मम्मी और चाचा की चुदाई चल रही थी और चाचा का बहुत लम्बा और मोटा भुजंग सा लंड मेरी मम्मी की चूत में घुसने को तैयार था। अब आगे.. […]
Full Story >>>

सेक्सी देसी लड़की फुफेरी बहन की चुदाई

मेरा नाम युगवीर सिंह है। मैं बहुत ही गोरा हूँ और गुड-लुकिंग हूँ.. लड़कियां मुझ पर मरती हैं। मैं उ.प्र. का रहने वाला एक पंजाबी हूँ और अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली हिन्दी सेक्स कहानी है। मेरी बुआ की लड़की […]
Full Story >>>

मेरी मम्मी की जिस्म की चाह-2

आपने अब तक अन्तर्वासना पर मेरी हिन्दी सेक्स कहानी के पहले भाग में पढ़ा.. मेरी मम्मी और मेरे चाचा के शारीरिक सम्बन्ध थे और मुझे उन दोनों की चुदाई देखने का अवसर मिलने वाला था। अब आगे.. चाचा बोले- भाभी, […]
Full Story >>>

बॉडी मसाज़ गर्ल के साथ लेस्बियन सेक्स

मेरा नाम सना है.. मेरी उम्र 18 साल है। मैं एक दिन ब्यूटी पार्लर में मेकअप करवाने गई। मेकअप करने वाली लड़की मेरी ही उम्र की बहुत प्यारी सी.. नाज़ुक सी लड़की थी। उस वक्त पार्लर में हम दोनों के […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Urdu Sex Stories

Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Antarvasna Porn Videos

Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire